साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R.No.: **MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 3 । अंक : 44 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 8 जून से 14 जून 2023 | ■ पृष्ठ : 4 | ■ मूल्य : रु. 5

गोरेगांव तहसील वन तलाव घोटाला आरएफओ जाधव व अन्य दो से 12 लाख 58 हजार की वसूली 3 वर्षों में नहीं की वन विभाग ने जिलाधिकारी के आदेश का उल्लंघन

बुलंद गोंदिया। (नवीन अग्रवाल)- गोरेगांव तहसील के अंतर्गत वन विभाग चिल्हाटी व मुर्दोली में निर्माण किए गए वन तलाव में भ्रष्टाचार होने का मामला सामने आने पर विभागीय आयुक्त नागपुर के आदेश से जांच की गई। जिसमें गोरेगांव के तत्कालीन आरएफओ एस.एम जाधव, क्षेत्र सहायक एम.ए बिसेन व कंट्री अभियंता एम.यू छीरसागर को दोषी करार दिया गया। वह इस संदर्भ में दोषियों से नुकसान भरपाई 12लाख 58हजार 221 रुपए की वसूली करने का आदेश जिलाधिकारी कादंबरी बलकवडे द्वारा दिया गया था। लेकिन 3 वर्षों के बावजूद वन विभाग द्वारा इन दोषी अधिकारियों से वसूली ना कर जिलाधिकारी के आदेश की अवहेलना कर भ्रष्टाचारी दोषी अधिकारियों को बचाने का कार्य कर रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में गोरेगांव वनपरी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में वन तालाब का निर्माण रोजगार हमी योजना के अंतर्गत मंजूर किए गए थे। जिसमें चिल्हाटी वह मुर्दोली वन तलाव का भी समावेश था। इसकी तकनीकी मंजूरी वन परीक्षेत्र अधिकारी गोरेगांव व प्रशासकीय मान्यता तहसीलदार गोरेगांव द्वारा दी गई थी। उपरोक्त कार्य को पूर्ण करने की जिम्मेदारी वन परीक्षेत्र अधिकारी गोरेगांव की थी किंतु उपरोक्त मामले में भारी भ्रष्टाचार वह घटिया निर्माण कार्य लापरवाही के चलते वन तालाब का निर्माण घटिया स्तर का हुआ था। जिस में बारिश के दौरान ओवरफ्लो निकासी से पानी निकलने के स्थान पर तलाव के मध्य से मट्टी फूट कर पानी बह गया था जिससे शासन को लाखों रुपए का नुकसान हुआ था। उपरोक्त मामले में पत्रकार नवीन अग्रवाल व मुकेश मिश्रा द्वारा गोरेगांव वन विभाग से माहिती के अधिकार के अंतर्गत दस्तावेज प्राप्त कर इसकी शिकायत विभागीय आयुक्त ग्रामीण रोजगार हमी योजना नागपुर वह जिलाधिकारी गोंदिया को की गई थी। शिकायत के पश्चात उपरोक्त मामले की जांच का

आदेश 18 जून 2019 को विभागीय आयुक्त द्वारा देकर समिति का गठन किया गया था। जांच समिति के विजय बोंद्रे कार्यकारी अभियंता विभागीय आयुक्त कार्यालय नागपुर द्वारा 12 जून 2019 को वन तलाव चिल्हाटी एवं मुरदोली की जांच किए जाने पर गंभीर अनियमितता व भ्रष्टाचार सामने आया था। इसके पश्चात उपरोक्त वन तलाव के निश्चित नुकसान की राशि निकालने के लिए कार्यों के प्रत्यक्ष नाप जोक करने के लिए समिति का गठन किया गया था। जिसमें जिला जलसंधारण अधिकारी लघु पाटबंधारे जिला परिषद गोंदिया, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी पंचायत जिला परिषद व तहसीलदार गोरेगांव समावेश था। जिनके द्वारा जांच किए जाने पर दोनों तलाव के फूटने पर शासन का 12लाख 58हजार 221 रुपए नुकसान होने का मामला सामने आया था। जिसमें तत्कालीन वन परीक्षेत्र अधिकारी, सहायक वन परीक्षेत्र अधिकारी ने कार्य में लगे ठेकेदारी अभियंता से उचित कार्य नहीं कराने व भ्रष्टाचार होने का अहवाल विभागीय आयुक्त को दिया था। जिसके अनुसार उपरोक्त कार्यो में नुकसान में कौन-कौन अधिकारी व कर्मचारी जिम्मेदार है तथा किस से कितना आर्थिक नुकसान वसूल करना है यह निश्चित करने के लिए जिला जलसंधारण अधिकारी लघु पाटबंधारे जिला परिषद गोंदिया ,उप मुख्य कार्यकारी अभियंता पंचायत जिला परिषद गोंदिया व तहसीलदार गोरेगांव, उप मुख्य लेखा अधिकारी व वित्त अधिकारी जीप गोंदिया को आदेश के अनुसार समिति का गठन किया गया था। समिति द्वारा 8 जून 2020 को उपरोक्त आदेश के अनुसार अपना अहवाल दिया 1)जिसमें वन तलाव चिल्हाटी कार्यो पर नुकसान की रकम 1लाख 53 हजार 418 मुर्दोली नुकसान की राशि 2 लाख 65 हजार 989 प्रकार कुल 4 लाख 19 हजार 407 रुपए ठेकेदारी कनिष्ठ अभियंता एम.यू छीरसागर पंचायत समिति गोरेगांव। 2) वन तलाव चिल्हाटी कार्यो पर नुकसान की रकम 1लाख 53 हजार 418 मुर्दोली नुकसान की राशि 2 लाख 65 हजार 989 प्रकार कुल 4 लाख 19 हजार 407 रुपएक्षेत्र सहायक एम.ए बिसेन 3) वन तलाव चिल्हाटी कार्यो पर नुकसान की रकम 1लाख 53 हजार 418 मुर्दोली नुकसान की राशि 2 लाख 65 हजार 989 प्रकार कुल 4 लाख 19 हजार 407 रुपए वन क्षेत्राधिकारी सुरेश जाधव गोरेगांव से वसूल करने का लिया था। उपरोक्त अहवाल प्राप्त होने के पश्चात जिले की तत्कालीन जिलाधिकारी कादंबरी बलकवड़े द्वारा 15 जून 2020 को आदेश जारी कर वन विभाग के दोनों अधिकारियों व ठेकेदारी अभियंता से 12लाख 58हजार 221 रुपए की राशि वसूल करने व शासन को जमा करने का आदेश का पत्र उप वन संरक्षक वन विभाग गोंदिया को दिया था।

3 वर्षों में वन विभाग ने अपने दोषी अधिकारियों से नहीं की वसूली

गोरेगांव वन परीक्षेत्र के अंतर्गत वन तलाव भ्रष्टाचार व घटिया कार्यों की जांच के पश्चात विभागीय आयुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी गोंदिया द्वारा प्राप्त अहवाल के अनुसार शासन को नुकसान होने वाली राशि की वसूली का आदेश का पत्र वन विभाग को दिया गया था, किंतु वन विभाग द्वारा अपने भ्रष्टाचारी अधिकारियों को बचाने का कार्य किया जा रहा है तथा गत 3 वर्षों के दौरान जिलाधिकारी के आदेश दिए जाने के बावजूद दोषी अधिकारियों से राशि वसूल कर शासन के खाते में जमा नहीं कराई गई है।

प्रकरण अभी सामने आया गोरेगांव वन तलाव जांच में दोषी अधिकारियों से राशि वसूलने का पत्र जिलाधिकारी द्वारा दिया गया है यह प्रकरण अभी सामने आया है इस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदीप पाटिल सहायक वन संरक्षक रोहयो व वन्यजीव विभाग वन विभाग गोंदिया

स्मरण पत्र दिया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी कार्यालय के रोजगार हमी योजना विभाग द्वारा उप वन संरक्षक वन विभाग गोंदिया को गत सप्ताह फिर से दोषी अधिकारियों से राशि वसूल करने का स्मरण पत्र लिया गया है। अब यह देखना है कि वन विभाग द्वारा इस मामले में जल्द से जल्द क्या कार्रवाई की जाती है। वन परीक्षेत्र अधिकारी जाधव के अनेक भ्रष्टाचार के मामले गोरेगांव में कार्यरत तत्कालीन वन परीक्षेत्र अधिकारी सुरेश जाधव के अनेक भ्रष्टाचार के मामले इसके पूर्व भी सामने आए हैं मात्र दो वन तलाव नहीं इसके साथ ही अनेक वन तलाव में भी भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार किया किंतु कुछ मामलों में वह बच गया। जिसका गत 3 वर्षों पूर्व गोंदिया जिले से तबादला होने के बावजूद गत कुछ माह में फिर से गोंदिया जिले में सड़क अर्जुनी वन परीक्षेत्र का चार्ज लिया है। जहां पर अवैध सागवान कटाई का मामला या संरक्षित वन क्षेत्र में हाईवे का कार्य कर रही कंपनी से भारी राशि लेकर गट्टू बनाने की फैक्ट्री की मंजूरीअवैध रूप से देने का जब मामला खुलने लगा तो अपनी गर्दन बचाने के लिए खुद ही गट्टू फैक्ट्री पर पहुंचकर छापामार कार्यवाही कर मीडिया में अपनी वाहवाही की खबरें भेजा जिससे उपरोक्त भ्रष्टाचार में वह शामिल नहीं है ऐसा साबित किया किंतु अबे सागवान कटाई वह गट्टू मामले में वन परीक्षेत्र अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है। जिसमें यह देखना है कि दोषी अधिकारी पर अब वन विभाग द्वारा क्या कड़ी कार्रवाई की जाती है।

वन परीक्षेत्र अधिकारी जाधव से ही हो 12लाख 58हजार 221 रुपए की वसूली

गोरेगांव तहसील के वन क्षेत्र के अंतर्गत वन तालाब का निर्माण किया गया जिसमें भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी तत्कालीन वन परीक्षेत्र अधिकारी सुरेश जाधव की है। उपरोक्त मामले में अन्य दो सहयोगियो से राशि वसूलने का आदेश दिया गया जिसमें ठेकेदारी कनिष्ठ अभियंता एम यू छीरसागर को नौकरी से निकाल दिया गया है , तथा सहायक वन क्षेत्र सहायक एम.ए . बिसेन का निधन हो चुका है। जिसके चलते शासन को नुकसान होने वाली संपूर्ण राशि 12लाख 58हजार 221 रुपए की वसूली वन परीक्षेत्र अधिकारी जाधव से ही की जानी चाहिए।

अनेक वन तलाव के कार्यों में हुआ था भ्रष्टाचार गोरेगांव तहसील के अंतर्गत वर्ष 2018 में वन परीक्षेत्र गोरेगांव के अंतर्गत मौजा सोनी, मौजा तेलंनखेड़ी,आंबेतलाव, तुमसर, दवड़ीपार, मुरदोली वह चिल्हाटी में वनतलाव का निर्माण किया गया था जिसमें सभी में भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था। भ्रष्टाचार का मामला सामने आने पर सूचना के अधिकार के अंतर्गत पत्रकार नवीन अग्रवाल व मुकेश मिश्रा द्वारा वन विभाग गोरेगांव से जानकारी प्राप्त की गई वह इसकी शिकायत आयुक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार हमी योजना नागपुर व जिलाधिकारी गोंदिया को की गई थी।

जिसके आधार पर जांच होने के पश्चात भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था वह शासकीय अहवाल के अनुसार दोषियों से नुकसान भरपाई भरने का आदेश तत्कालीन जिलाधिकारी कादंबरी बलकवडे द्वारा जारी किया गया था। लेकिन वन विभाग द्वारा अपने दोषी अधिकारियों को बचाने के लिए अब तक उनसे वसूली कर शासन के खाते में जमा नहीं किया गया वह जिलाधिकारी के आदेश की अवहेलना की जा रही है।

अरबों खरबों की विकास निधि के भ्रामक प्रचार पोस्टर से आगे नहीं बढ़ा गोंदिया शहर का विकास-पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के बजरंग नगर गणेश नगर परिसर में 55 लाख रुपए की लागत से नवनिर्माणाधिन सीमेंट मार्ग व डामरीकरण मार्ग का भूमि पूजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अरबो खरगों की विकास निधि का भ्रामक प्रचार किया जा रहा है तथा पोस्टर से आगे गोंदिया शहर का विकास आगे नहीं बढ़ पाया है। पुराने रेलवे उड़ान पुल के स्थान पर 2019 में नए पुल की मंजूरी के बावजूद 4 वर्षों में कार्य शुरू नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि गोंदिया शहर में नई उड़ान पुल का निर्माण हो या बायपास मार्ग का निर्माण, 40 शासकीय कार्यालयों को एक ही स्थान पर लाने के लिए जय स्तंभ चौक पर नई प्रशासकीय इमारत का निर्माण, युवाओं को रोजगार उन्मुख शिक्षण देने के लिए शासकीय मेडिकल, पॉलिटेक्निक, एएनएम, जीएनएम नर्सिंग कॉलेज की शुरुआत तथा नागरिकों युवा किसानों महिलाओं व हर वर्ग को आगे बढ़ने के अवसर हमने प्रदान की है।

गोंदिया शहर को विकसित करने के सकारात्मक प्रयत्न किए किंतु 2019 में विशिष्ट राजनीतिक परिस्थितियों में मुझसे योग्य और सक्षम विधायक की खोज में नागरिकों ने निर्णय लिया और विधानसभा चुनाव में मुझे हार का सामना करना पड़ा हमने चाबी विधायक को विकास के ताले खोलने के लिए 4 साल का भरपूर समय दिया लेकिन उनका भ्रामक प्रचार अरबों खरबों के विकास निधि के पोस्टर से आगे विकास नहीं बढ़ सका। वर्ष 2019 में हमने शहर के पुराने रेलवे उड़ान पुल को तोड़कर नई उड़ान पुल के निर्माण की मंजूरी लाई गई किंतु अब तक 3 वर्षों में चाबी विधायक द्वारा पुराने रेलवे उड़ान पुल को तोड़ा तक नहीं जा सका। जुलाई 2022 में राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध कर पुराने रेलवे उड़ान पुल को तोड़कर नये उड़ान पुल के निर्माण को लगे ताले को बिना चाबी के खुलवाया ऐसे उद्गार उन्होंने इस अवसर पर व्यक्त किए। 55 लाख रुपए की लागत से कशिश प्रेस, हर्ष ऑटोमोबाइल, प्रताप मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर बसंत जैन, साकेत पब्लिक स्कूल रास्ता सीमेंटीकरण व डामरीकरण बांधकाम का निर्माण होगा। इस अवसर पर मंच पर पूर्व नगराध्यक्ष इंगले, अशोक चौधरी ,छैलबिहारी अग्रवाल, भावना कदम, शकील मंसूरी, सुनील तिवारी, शुभांगी पाथोड़े, वीरेंद्र जायसवाल आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर इंगले, वीरेंद्र जायसवाल व छैल बिहारी अग्रवाल द्वारा भी अपने उद्गार व्यक्त कर गोंदिया शहर के विकास में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयत्नों के लिए उनका आभार व्यक्त कर अभिनंदन किया। साथ ही प्रमुख रूप से अमित झा, पूरनलाल पाथोडे, देवेंद्र अग्रवाल, अजय गौर, अंकित जैन, डॉक्टर तेजराम येडे, शंकरलाल अग्रवाल मोना टायर ,सुनील अग्रवाल, दिनेश सिंघानिया ,चेतन बजाज, घनश्याम दर्वे, रवि कासलीवाल, शरद, मुकेश बोरीकर, पुरण बावनकर, राजेश बिसेन, दिनेश अग्रवाल, कोमल बावनकर, नंदकिशोर चौहान, गणेश उजवने, देवचंद बावनकर, बसंत जैन, प्रदीप लांजेवार, कृष्णा लिल्हारे, विक्की गंबानी, दलजीत सिंह गुरूदत्ता, वरुण अग्रवाल व वार्ड के निबासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मेरी वसुंधरा अभियान में नागपुर जिला एवं विभाग की ओर से गोंदिया जिला परिषद उत्तम

विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी को किया सम्मानित

बुलंद गोंदिया। (नागपुर)-पंचतत्वों के संरक्षण, संरक्षण और संरक्षण द्वारा सतत विकास को प्राप्त करने के लिए शुरू किया गया माझी वसुंधरा अभियान 3.0 समारोह मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें नागपुर मंडल को राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राजस्व विभाग की श्रेणी में तीसरे नंबर का पुरस्कार मिला। साथ ही, नागपुर जिला कलेक्टर को नागपुर संभाग स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और गोंदिया को जिला परिषद के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी को नागपुर राजस्व विभाग के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। नागपुर संभाग में 1 लाख से 3 लाख जनसंख्या समूह में वर्धा नगर परिषद को 2 करोड़ रुपये, 50 हजार 1 लाख जनसंख्या समूह में उमरेड नगर परिषद को 1 करोड़ 50 लाख रुपये, देसाईगंज नगर परिषद को 1 करोड़ 50 लाख रुपये 25 से 30 हजार की जनसंख्या समूह, 15 से 25 हजार की जनसंख्या में पवनी, नगर परिषद व खापा नगर परिषद को एक-एक करोड़ 50 लाख रुपये तथा दवालमेती ग्राम पंचायत करंजा ग्राम पंचायत वडेगांव ग्राम पंचायत को पुरस्कार प्रदान किये गये. , ग्राम पंचायत समूह के अंतर्गत आनंदवन ग्राम पंचायत। विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी के मार्गदर्शन में संभाग के समस्त कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं विकास शाखा के उपायुक्त डॉ. कमलकिशोर फुटाने, , नगर प्रशासन के मंडल सहायक आयुक्त, संघमित्रा ढोके, सभी नगर परिषद प्रमुख ग्राम सेवक, सरपंच की अहम भूमिका रही है।

चंद्रकुमार बहेकार की जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

बुलंद गोंदिया। अखिल भारतीय सरपंच परिषद के गोंदिया जिला अध्यक्ष पद पर सालेकसा तहसील के ग्राम भजेपार के युवा सरपंच चंद्रकुमार बहेकार वह सचिव पद पर खुर्सीपार के सरपंच ऐड हेमलता चौहान उपाध्यक्ष पद पर जब्बारटोला सरपंच मनीषसिंह गहरवार, महिला जिला अध्यक्ष पद पर निंबा की सरपंच वर्षा विजय पटले की सर्वसम्मति से नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष द्वारा जल्द ही जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। उपरोक्त चयन के लिए संगठन के राज्य सलाहकार राजेंद्र कराडे की अध्यक्षता में विदर्भ अध्यक्ष ऐड देवा पंचभाई पंचायत समिति गोंदिया के सभापति मुनेश्वर राहंगडाले, एड योगेश पारधी हाई कोर्ट नागपुर, पूर्व जिला अध्यक्ष शशिकांत भगत की प्रमुख उपस्थिति में पवार बोर्डिंग गोंदिया में आयोजित की गई थी। जिसमें गोंदिया जिले के सरपंच उपसरपंच व ग्राम पंचायत सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का सभा में उपस्थित सभी द्वारा अभिनंदन कर भविष्य के लिए शुभकामना दी गई। कार्यक्रम का संचालन गंगाझरी के सरपंच सोनू घरडे व आभार प्रदर्शन चारभाटा के सरपंच कैलाश मरस्कोल्हे द्वारा माना गया।

पानी की टंकियों से भरा ट्रक पलटा

तिरोड़ा-तिरोड़ा तहसील के ग्राम पांजरा के पास मंगलवार की दोपहर को प्लास्टो कंपनी की पानी की टंकियों से भरा ट्रक पलट गया। लेकिन इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि न होने से आम नागरिकों ने राहत की सांस ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नागपुर से प्लास्टो कंपनी की पानी की टंकियों को लादकर ट्रक क्र. एमएच-31/एफसी-5431 यह आमगांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक का टायर फुट जाने से ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक नागपुर निवासी रतिराम रामटेके एवं वाहक जाम निवासी मनोज इंगोले को किसी प्रकार की चोट नहीं पहुंची। जिससे सभी ने राहत की सांस ली।

नकली पुलिसकर्मी पुलिस बनकर 2 लोग घुसे घर में , ली शराब की झड़ती

बुलंद गोंदिया। जिले के सालेकसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कूलरभट्टी में दो अज्ञात आरोपी पुलिस का वेष धारण कर एक घर में घुसकर उस घर में शराब की झड़ती करने का मामला सामने आया है।

फिर्यादि अमोल नारायण उईके उम्र 19 की मौखिक शिकायत के अनुसार आरोपी 1 जून 2023 को सुबह 11.30 बजे फिर्यादि के घर आये। वे लोग पुलिस के वेश में (चितकबरा कमांडो ड्रेस जैसे) पहने हुए थे। पैर में कमांडों के जूते थे। तथा खुद को पुलिस बताकर उसके घर में शराब के सम्बंध में जांच पड़ताल की। इस मामले पर पुलिस वर्दी के रूप में ड्रेस पहनकर अपराध करने पर सालेकसा थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 441, 170, 171 भादवि तथा सह कलम 149 (अ) मपुका के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संपादकिय...

कैसे सेफ हो रेल यात्रा?

ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे ने हम सब को सकते में डाल दिया। हादसे के बाद रेल सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। इसलिए इस दुर्घटना के कारणों की तह तक जाकर उन्हें दूर करने के कारगर उपाय भी करने की जरूरत है। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को हुई ट्रेन दुर्घटना ने पूरे देश को सकते में डाल दिया है। देश के इतिहास के सबसे भीषण रेल हादसों में शामिल की जा रही इस घटना में तीन ट्रेनें एक-दूसरे से टकराई हैं। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस गलत ट्रैक पर आकर वहां खड़ी मालगाड़ी से टकराई, जिससे उसके कई डब्बे पटरी से उतर कर दूसरी ट्रैक पर चले गए। वहां दूसरी तरफ से आ रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस इन डब्बों पर चढ़ गई। हताहतों की बड़ी संख्या के अलावा दुर्घटना की इस प्रकृति ने भी आम जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। भारतीय रेलवे रोज औसतन सवा करोड़ से ज्यादा लोगों को मंजिल तक पहुंचाती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटना उनके मन में रेलवे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा कर सकती है। फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्य और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के इलाज पर है, जो ठीक भी है। इस संदर्भ में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की प्रतिक्रिया खास तौर पर ध्यान देने लायक है, जिसने इस दुर्घटना से जुड़े असुविधाजनक सवालों को यह कहकर स्थगित रखा है कि फिलहाल सर्वोच्च प्राथमिकता राहत और बचाव कार्यों को दिया जाना चाहिए। मगर यह बात भी सही है कि नीतिगत और व्यवस्थागत खामियों की ओर ध्यान दिलाने का भी यही वक्त होता है, जब आम लोग उन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं, जिन्हें सामान्य दिनों में एक्सपर्ट्स के सोचने-समझने वाले तकनीकी विषय मानकर छोड़ दिया जाता है। इस लिहाज से देखा जाए तो हाल के दिनों में पब्लिक परसेप्शन यह बना है कि सरकार स्पीड बढ़ाने और नई-नई ट्रेनें शुरू करने पर जितना ध्यान दे रही है, उतना कमजोर और पुराने पड़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर नहीं दिया जा रहा। हालांकि रेलवे डिपार्टमेंट आंकड़ों के जरिए इस धारणा का खंडन करता है। उसके मुताबिक 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपये का पंचवर्षीय सुरक्षा कोष बनाया गया था, जिसे 2022-23 में 45000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम के साथ एक्टसटेंड कर दिया गया।उसका यह भी कहना है कि रेल यात्रा की सुरक्षा के पहलू पर लगातार काम करते रहने के ही कारण इस मोर्चे पर स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। 2013-14 में प्रति दस लाख किलोमीटर पर 0.10 दुर्घटना की औसत संख्या 2022-23 तक और कम होकर 0.03 पर आ गई थी। लेकिन शुक्रवार की दुर्घटना का सबक यह है कि ऐसे एकाध हादसे भी रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर आम लोगों के मन में वैसी आशंका पैदा कर सकते हैं, जो ऐसे दर्जनों आंकड़ों से दूर नहीं की जा सकती। इसलिए इस दुर्घटना के कारणों की तह तक जाकर उन्हें दूर करने के कारगर उपाय भी लोगों की नजर में लाए जाने चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष - पृथ्वी का गला घोटता प्लास्टिक प्रदूषण

पर्यावरण पृथ्वी पर जीवन का आधार है। सभी सजीव और निर्जीव तत्वों से मिलकर पर्यावरण बना हैं। पशुपक्षी, पेड़, जंगल, समुद्र, पहाड़, हवा, खनिज इत्यादि यह सभी पर्यावरण का हिस्सा है। पर्यावरण को जीवन के अनुकूल बनाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, परन्तु पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान मनुष्य ही पहुँचाता है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु हर साल 5 जून को **विश्व पर्यावरण दिवस** एक नई थीम के साथ दुनियाभर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2023 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर केंद्रित है। प्लास्टिक प्रदूषण दुनियाभर में बहुत बड़ी समस्या बनकर उभरा है। हर साल तकरीबन 40 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, उसमें से आधे का केवल एक बार उपयोग किया जाता है। आज हम माइक्रोप्लास्टिक खा रहे, पी रहे और ऑक्सीजन में भी प्लास्टिक मिश्रित दूषित हवा ले रहे है, जिसके कारण हर 30 सेकंड में एक मौत हो रही है। जलवायु परिवर्तन में प्लास्टिक प्रदूषण का बहुत बड़ा योगदान है। प्रदूषण के कारण पर्यावरण का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग, बीमारियां, प्राकृतिक आपदा जैसी समस्या बढ़ी है, परिणामत मानव जीवन के लिए खतरा निर्माण हो गया है। प्लास्टिक जानवरों को मारता है, मिट्टी को प्रदूषित करता, प्लास्टिक की थैलियां नालियों को बंद कर देती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से बांझपन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड की समस्याएं, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। टियरफंड के नए शोध के अनुसार, प्लास्टिक की समस्या से दुनिया भर के विकासशील देशों में हर साल 400,000 से दस लाख लोग मर रहे है।

प्लास्टिक प्रदूषण से समुद्री जीवन तबाह - पृथ्वी के 71त्न भाग में पानी है और कुल पानी का 97त्न पानी समुद्र में है, मानव गतिविधियों के परिणामस्वरूप समुद्री प्रदूषण पर्यावरण के लिए घातक हैं। हर मिनट दो बड़े भरे हुए ट्रक जितना प्लास्टिक कचरा महासागरों में फेंका जाता हैं। यूनोमिया 2016 अनुसार, हर साल 12 मिलियन टन प्लास्टिक समुद्र में फेंक दिया जाता है और हर साल महासागरों में बहने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा साल 2040 तक 29 मिलियन मीट्रिक टन होने की संभावना है। विभिन्न रूपों में माइक्रोप्लास्टिक दुनिया की लगभग सभी जल प्रणालियों में मौजूद हैं। मारियाना ट्रेंच स्थान में 36,000 फीट गहराई पर भी प्लास्टिक पाया गया है। आईयूसीएन 2020 अनुसार, समुद्री मलबे का 80त्न सिर्फ प्लास्टिक कचरा है। महासागरों में 2025 तक मछली के मुकाबले एक तिहाई प्लास्टिक मिलेगा और 2050 तक महासागरों में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक होगा। संयुक्त राष्ट्र अनुसार, प्लास्टिक हर साल अनुमानित 10 लाख समुद्री पक्षियों और 1 लाख समुद्री जीवों को मारता है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यही दर रही, तो दुनिया की 99त्न समुद्री पक्षी प्रजातियां 2050 तक प्लास्टिक खा रही होंगी। प्लास्टिक से कोरल रीफ पर बीमारी की संभावना 22 गुना बढ़ जाती है। समुद्री जीवों में प्लास्टिक विषाक्तता खाद्य श्रृंखला को खत्म कर रही हैं, जिसमें विनाशकारी स्वास्थ्य प्रभावों की संभावना है।

प्लास्टिक खा रहे, पी रहे और प्लास्टिक की हवा में सांस ले रहे - पकड़ी जाने वाली हर तीन में से एक मछली में अब प्लास्टिक होता है। खाद्य श्रृंखला के आधार पर कई जानवर माइक्रोप्लास्टिक्स खाते हैं, फिर उनको दूसरे जीव खाते है, मनुष्य भी उन जीवों को खाते हैं। वैज्ञानिकों ने 114 समुद्री प्रजातियों में माइक्रोप्लास्टिक पाया है, और इनमें से लगभग एक तिहाई प्रजाति मनुष्य के खाद्य के रूप में जानी जाती हैं। कृषि मिट्टी के भीतर भी प्लास्टिक टूटकर माइक्रोप्लास्टिक्स के रूप में दबा रहता है। लैंडफ़िल में गहरे दबे प्लास्टिक कचरे से हानिकारक रसायन निकल सकते हैं जो भूजल में फैल सकते हैं। हमारे लैंडफिल में 20 लाख टन से अधिक पानी की बोतलों का ढेर लगा हुआ है। प्लास्टिक अनजाने तरीके से हमारी थाली में पहुंचता है, निष्कर्ष से पता चला है कि हम हर साल हजारों प्लास्टिक कणों को निगलते हैं। प्लास्टिक में उपलब्ध खाद्य पदार्थ, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री से भी प्लास्टिक हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है। हम बोतलबंद पानी के माध्यम से माइक्रोप्लास्टिक पीते हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2018 में चौंकाने वाला शोध प्रकाशित किया था, जिसमें 90त्न बोतलबंद पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति का पता चला था, परीक्षण में 259 में से केवल 17 बोतलबंद पानी प्लास्टिक से मुक्त थे। खराब अपशिष्ट प्रबंधन के कारण खुली हवा में कचरा जलाने से दूषित वायु में लोग सांस लेते है। मार्च 2018 में प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चलता है कि विश्व स्तर पर 5 अरब लोग कचरा संग्रहण या योग्य अपशिष्ट निपटान के बिना रहते हैं, परिणामस्वरूप प्रत्येक वर्ष लगभग 90 लाख लोग मारे जाते हैं। 1 टन प्लास्टिक के उत्पादन से 2.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होती है। हम कपड़ों के माध्यम से भी प्लास्टिक को अवशोषित करते हैं, ग्लोबल अपैरल फाइबर कंजम्पशन के शोध अनुसार, एक वर्ष में दुनिया भर में खपत होने वाले 100,000 किलोग्राम फाइबर में से 70% सिंथेटिक हैं।

प्लास्टिक जल्द नष्ट नहीं होता -अब तक उत्पादित प्लास्टिक का हर टुकड़ा आज भी पर्यावरण में मौजूद है। डब्ल्यू डब्ल्यू एफ ऑस्ट्रेलिया (विश्व वन्यजीव कोष) के अनुसार, प्लास्टिक के उत्पादों को पूर्णत नष्ट होने में लंबा समय लगता है, यह उनके गुणवत्ता पर निर्भर होता है जैसे - प्लास्टिक बैग को नष्ट होने में 20 साल, कॉफी कप 30 साल, प्लास्टिक स्ट्रॉ 200 साल, प्लास्टिक की बोतलें 450 वर्ष, प्लास्टिक के कप 450 साल, डिस्पोजेबल डायपर - 500 साल और प्लास्टिक टूथब्रश को नष्ट होने में साधारणत 500 साल का कालावधी लगता है। अमेरिकी प्रतिदिन 50 करोड़ से अधिक प्लास्टिक स्ट्रॉ का उपयोग करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1950 के दशक से अब तक 8.3 अरब टन प्लास्टिक का निर्माण किया जा चुका है। दुनिया भर में हर मिनट 10 लाख सिंगल-यूज़ प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती हैं और सालाना 1200 अरब से अधिक प्लास्टिक की बोतलें बेची जाती हैं। पॉलीस्टाइनिन 10 लाख से अधिक वर्षों तक पर्यावरण में बना रह सकता है।

भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट पर तथ्य -द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट 2018 अनुसार, देश में कुल प्लास्टिक कचरे का केवल 60त्न पुनर्नवीनीकरण किया जा रहा है। भारत में लगभग 43त्न निर्मित प्लास्टिक का उपयोग पैकेजिंग उद्देश्य के लिए किया जाता है और प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति औसत खपत लगभग 11 किग्रा है। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल ठोस कचरे में प्लास्टिक का योगदान 8त्न है, सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन में दिल्ली, इसके बाद कोलकाता और अहमदाबाद का स्थान है। समुद्री तटों से प्लास्टिक कचरे से बरामद भारी मात्रा में जहरीली भारी धातु जैसे तांबा, जस्ता, सीसा और कैडमियम का तटीय पारिस्थितिक तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए योग्य पहल -प्रत्येक टन प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण से लगभग 3.8 बैरल पेट्रोलियम की बचत होती है। देश के चेन्नई में जंबुलिंगम स्ट्रीट 2002 में बनी भारत की पहली प्लास्टिक सड़कों में से एक थी। 2015-16 में, राष्ट्रीय ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी ने लगभग 7,500 किलोमीटर सड़कें प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके बनाईं। सैन फ्रांसिस्को इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अगस्त 2019 से शुरू होने वाली अपनी सभी रियायतों में प्लास्टिक की पानी की बोतलों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्लास्टिक अपशिष्ट जलाना और प्लास्टिक में विशेषत गर्म खाद्यपदार्थों का उपयोग पूर्णता बंद करना होगा क्योकि प्लास्टिक जलने या गर्म होने पर जहरीला पदार्थ छोड़ता है। प्लास्टिक कचरे का योग्य प्रबंधन करने के लिए कड़े कानून बनाकर लागू करना, प्लास्टिक पैकेजिंग में वैकल्पिक पैकेजिंग का उपयोग करना होगा। रीसायकल द्वारा प्लास्टिक की वस्तुओं को नए उत्पादों में बदलना। जैव-आधारित प्लास्टिक अर्थात वनस्पति तेल, मक्का, गेहूं, सोया, आलू, चुकंदर, गन्ना जैसे नवीकरणीय संयंत्र स्रोतों से बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक विकसित करना। प्लास्टिक के निर्माण की प्रक्रिया में उपयोग करने के लिए सुरक्षित रसायनों का विकास करना जो विषाक्त नहीं हों। कंपनी और लोगों ने भी जागरूकता दिखाकर सरकारी दिशानिर्देशों नियमों का पालन करना चाहिए, प्रत्येक व्यक्ति ने खुद के स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करते हुए उसे खत्म करना चाहिए। पर्यावरण को बचाने प्लास्टिक उत्पाद पर हमें अपनी निर्भरता कम करनी होगी। पर्यावरण की रक्षा ही हमारे जीवन की सुरक्षा है।

देश में शिक्षा के लिए अनुसूचित जनजाति के लड़के और लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति योजना

बुलंद गोंदिया। अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राएं जिन्होंने बारहवीं एवं स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तथा विदेश में छात्रवृत्ति के इच्छुक हैं, उनके लिए शासकीय छात्रवृति योजना है तथा अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं से इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं।

राज्य में अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आने वाला आदिवासी समाज सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है और सरकार ने प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अनुसूचित जनजाति के लड़के और लड़कियों को विदेशों में शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने की मंजूरी दी है ताकि उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराये जा सकें. अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए। उसी के अनुरूप अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का अवसर देने तथा उनकी गुणवत्ता को गुंजाइश देने के लिए उक्त शासन निर्णय में आदिवासी छात्र-छात्राओं को अनुदान के रूप में छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है, जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करते हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम।

इस योजनान्तर्गत सरकार के दिनांक 16 मार्च 2016 के निर्णयानुसार इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु छात्र-छात्राओं के परिवारों की अधिकतम वार्षिक आय सीमा रू0 6.00 लाख कर दी गयी है। उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत छात्र विदेश में एमबीए कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट, मेडिकल कोर्स डिग्री / पोस्ट ग्रेजुएट, बी.टेक। मुख्य रूप से इंजीनियरिंग, विज्ञान और कृषि स्नातकोत्तर और अन्य विषय पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रमों के लिए सरकार द्वारा छात्रवृत्ति देने का प्रावधान है।

जिन अभ्यर्थियों ने अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए अपना बारहवीं और स्नातक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और विदेश में छात्रवृत्ति के इच्छुक हैं, वे परियोजना अधिकारी, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, देवरी, गोंदिया के कार्यालय से निर्धारित प्रारूप में छात्रवृत्ति के लिए नमूना मुक्त आवेदन पत्र भरकर प्राप्त करें। सम्पूर्ण जानकारी एवं आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियों के साथ परियोजना अधिकारी, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना विकास परियोजना कार्यालय देवरी के माध्यम से अपर आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, नागपुर को दिनांक 9 जून, 2023 तक जमा करना है . एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना देवरी के परियोजना अधिकारी ने अपील की है कि अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी उक्त योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं. योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए फोन नंबर 07199-225144 पर संपर्क करें।

वृक्षधरा फाउंडेशन ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

गोंदिया -वृक्षधरा फाउंडेशन तथा ग्रामपंचायत नागराधाम के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस-मनाया गया एवं इस अवसर पर जनजागृति रैली निकालकर पौधारोपण भी किया गया। पर्यावरण की रक्षा करना हर एक व्यक्ति का कर्तव्य है, इस चीज को ध्यान में रखते हुए अब तक वृक्षधरा फाउंडेशन के द्वारा कई पौधे लगाए गए गए, जिसमें नागपुर, नागराधाम एवं सावरी क्षेत्र में विशेष प्रकल्प चलाए जा रहे है। इस वर्ष गोंदिया मोक्षधाम रोड पर दोनो बाजू में पौधारोपण का प्रकल्प प्रस्तावित है। सभी लोग चाहते है की पेड़ तो लगाए जाए लेकिन बहुत ही कम लोग इसे प्रत्यक्ष रूप से करते है, पेड़ जमीन पर लगाए जाते है सोशल मीडिया पर नहीं एवं आनेवाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ पर्यावरण देना है, कम से कम प्लास्टिक का इस्तमाल करना यह संदेश इस जनजागृति रैली से दिया गया। पिछले 2 वर्षो से नागराधाम तीर्थस्थल के विकास के लिए संस्था प्रयत्नरत है तथा इसके लिए इस परिसर को हरियाली युक्त बनाने का संकल्प भी संस्था के द्वारा लिया गया है। इस समय पंचायत समिति सदस्य नागरा, ग्रामपंचायत के समस्त पदाधीकारी, ग्राम तंटामुक्ति अध्यक्ष, पुलिस पाटिल, मान्यवर ग्रामवासी, एवं समस्त स्वयंसेवक एवं मार्गदर्शक उपस्थित थे।

घर से निकली बालिका को परिजनों को सौंपा

गोंदिया-पिता द्वारा डांटे जाने से घर में बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल जाने वाली एक नाबालिग किशोरी को रामनगर पुलिस ने खोजकर उसके माता-पिता के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया निवासी एक 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी इंस्टाग्राम पर नियमित रूप से अपने मित्र के साथ बातचीत करती थी। जिस पर पिता ने उसे डांटा तो वह 1 जून को सुबह घर में बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गई। जिसके बाद रिश्तेदारों के साथ ही उसके मित्रों के यहां भी परिजनों ने उसकी खोजबीन की। लेकिन जब उसका कोई पता नहीं चला तो रामनगर पुलिस थाने में उसके गुम होने की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अपराध क्र. 132/2023 भादंवि की धारा 363 के तहत दर्ज किया था। लापता हुई किशोरी नाबालिग होने के कारण पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अशोक बनकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे ने लापता किशोरी की खोज युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद जिला पुलिस लगातार उसकी खोज में जुटी हुई थी । 1 जून को यह लापता नाबालिग किशोरी मध्यप्रदेश राज्य के खंडवा रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प लाइन को मिलने की सूचना रामनगर पुलिस को मिलते ही किशोरी के पिता एवं रामनगर पुलिस का पथक खंडवा रवाना हुए एवं 3 जून को उसे अपने साथ लेकर रामनगर पुलिस स्टेशन पहुंचे।

पुलिस ने जब किशोरी से घर से चले जाने के संबंध में पूछताछ की तो उसने बताया कि इंस्टाग्राम एप का उपयोग करने पर पिता द्वारा डांटे जाने से गुस्से में वह घर छोड़कर चली गई थी। उसने बताया कि वह मथुरा तक गई थी एवं यात्रा के दौरान ही वह रेलवे पुलिस को मिली। पूछताछ के बाद गोंदिया वापस आने पर किशोरी को पुलिस ने उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। इससे पूर्व किशोरी का समुपदेशन भी किया गया।

पूर्व पालकमंत्री डॉ. फुके की दखल से समाप्त हुआ 8 दिन से चल रहा वनहक्क धारकों का आमरण अनशन

गोंदिया- जिले के देवरी तहसील के देवरी स्थित वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय के समीप पिछले 30 मई से वनविभाग द्वारा वन निवासियों को ग्राम सभा वनहक कानून से वंचित रखने, वनउपज का लाभ न देने व वनविभाग द्वारा बर्बरता पूर्ण अनुसूचित जमाती व अन्य पारंपरिक वननिवासीयों के साथ अन्याय को लेकर वनविभाग के खिलाफ जारी वनहक धारकों के आमरण अनशन को आज जिले के पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके ने भेंट दी। इस भेंट के दौरान अनशनकर्ता वन निवासी किसानों की योग्य मांगों पर डॉ. फुके ने उनसे चर्चा कर व वनविभाग के अधिकारियों के गलत रवैये के खिलाफ शख्त रुख अपनाकर स्वयं अनशन पर बैठकर अधिकारियों को देवरी तलब किया। देवरी के तहसील कार्यालय में वन निवासियों की योग्य मांगों को लेकर जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगळे, डीएफओ कुलराज सिंग, वन अधिकारी तेंदू कैंम्प सदगीर, एसडीओ देवरी अनमोल सागर, के साथ बैठक लेकर अनशन कर्ताओ की विविध मांगो पर लंबी चर्चा की गई। चर्चा के दौरान पूर्व पालकमंत्री डॉ.

फुके के साथ एड. गोडे सर, वीरेंद्र (बाळा भाऊ) अंजनकर, पूर्व विधायक संजय पुराम, सहित अनशनकर्ताओं की मौजूदगी रही। बैठक में अनुसुचित जमाती व ईतर पारंपारिक वननिवासी अधिनियम 2006 व नियम 20?8 एवं सुधारित नियम 2012 (वन हक्क कायदा 2006) अन्वये ग्रामसभा को प्राप्त स्वामित्व हक के अधिकार अधिनियम में वन विभाग द्वारा आ रही बाधाओं, , ग्रामसभा वनहक अधिकार के किसानों पर कार्रवाई करने, ग्रामसभा को वन उपज तेंदुपत्ता संकलन करने का अधिकार होते हुए वनविभाग द्वारा लक्ष्य रद्द कर टीपी, संकलन, बिक्री आदि पर रोक लगाने, ग्राम महासभा में समाविष्ट परसोड़ी, येळमागोंदि, केशोरी, उचेपुर व मोहगाव के वन हक दावों के प्रलंबित मामलों पर सकारात्मक चर्चा हुई। चर्चा में इस बैठक में जिलाधिकारी की उपस्थिति में आपसी समन्वय के तहत वनविभाग द्वारा निर्णय लिया गया कि, जो प्रक्रिया ग्रामसभा अधिकार द्वारा की जा रही उसमें वनविभाग किसी भी तरह का हस्तक्षेप फिलहाल नही करेगा। लेकिन आगामी वनउपज प्रक्रिया हेतु शर्तो के तहत सभी उचित कार्रवाई (सीएफआर, टीपी) आदि की प्रक्रिया सीजन के पूर्व नवम्बर तक पूर्ण करने पर सहमति के साथ चर्चा हुई। इस बैठक में ग्रामसभा के अनशन धारकों में नारायण सलामे, गोपाल कोरेटी, मडावी गुरुजी, चेतन उईके, राजू साहू, मोतीराम सयाम, नेतराम हिडामी, जगह सलामे, महारु भोंगाड़े, बलिराम कुंभरे, संतोष भोयर, नूतन कोवे, जयराम कोरेटी, खेमराज सलामे, धनुष जनबन्धु सहित अनेक लोगो का समावेश रहा।

गोंदिया-जबलपुर ब्राडगेज मार्ग पर होगा डबलिंग लाईन का सर्वे, 477 करोड़ से होगा निर्माण

बुलंद गोंदिया। गोंदिया से जबलपुर के बीच रेल लाईन के डबलिंग कार्य के सर्वे कार्य को रेल मंत्रालय ने हरी झंडी दे दी है। 25 मई को रेल मंत्रालय ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं, लगभग 477 करोड़ की लागत से डबलिंग लाईन का निर्माण किया जाएगा। जिससे ना केवल नॉर्थ से साउथ की ओर चलने वाली यात्री ट्रेनों को इसका फायदा मिलेगा बल्कि रेलवे विभाग को माल परिवहन में मिलने वाले राजस्व की भी सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि विगत लंबे समय से सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन इसको लेकर प्रयासरत थे। जिसमें परिणाम भी सामने आया है। वर्तमान समय में माल वाहक ट्रेनों और यात्री ट्रेनों में डबलिंग लाईन नहीं होने से ट्रेनों के आवागमन में समस्याएं आ रही है। खासकर यात्री ट्रेनों के लेट चलने से जिले के लोगों में रेल सुविधाओं का लेकर नाराजगी व्याप्त है। सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन का मानना है कि डबलिंग लाईन और गोंदिया रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से ना केवल वर्तमान में चल रही ट्रेनों की समस्या हल होगी, बल्कि नार्थ से साउथ तक की रेलयात्रा भी सुगम होगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों कारणों के कारण वह प्रयास के बावजूद जिले के रेल यात्रियों को वह सुविधा नहीं दिला पा रहे है, जो उन्हें मिलनी चाहिए, लेकिन डबलिंग लाईन बन जाने से यह समस्या भी हल हो जाएगी। जिसके बाद नागपुर और रायपुर के बीच ना केवल सीधी ट्रेन का जिले वासियों को समयानुकुल फायदा मिलेगा बल्कि नार्थ से साउथ के बीच चलने वाली इस कम दूरी के रेलमार्ग का फायदा भी जिलेवासियों को मिलेगा। जिसका फायदा रेल मंत्रालय को भी मिलेगा। विगत लंबे समय से जिले के रेल यात्रियों को ब्राडगेज बन जाने के बावजूद भी वह सुविधा नहीं मिल पा रही है, जिसके वह हकदार है, अक्सर ट्रेनों के देरी से चलने के कारण रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन निश्चित ही यदि लाईन डबलिंग हो जाती है तो इसका दूरगामी परिणाम जिले के रेल यात्रियों को मिलेगा और दूरस्थ क्षेत्रों के रेल यात्रा की राह आसान होगी।

गोंदिया जिला कॉंग्रेस में गुटबाजी चरम पर असंतुष्ट पदाधिकारी करेंगे प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले से शिकायत

» पक्ष के आदेश की अवहेलना करने पर नही हो रहीअनुशासनहीनता की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी, पक्ष के आदेशों की अवहेलना एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष द्वारा कार्रवाई न करने से असंतुष्ट कांग्रेस पदाधिकारियों ने नाराजी व्यक्त कर कांग्रेस में चल रही इस व्यवस्था को लेकर आगामी 2 जून को प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले से शिकायत किये जाने की जानकारी पत्र परिषद में दी।

कांग्रेस किसान सेल के जिलाध्यक्ष जितेश राणे के कार्यालय में आयोजित पत्र परिषद में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि, पक्ष के स्पस्ट आदेश मिलने के बाद भी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के चुनाव में कांग्रेस के कुछ लोगो ने भाजपा के साथ मिलकर कांग्रेस को पराजित करने का कार्य किया। पूरे जिले में यही स्थिति रही, फिर भी कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिलीप बंसोड की ऐसे लोगों के खिलाफ, पक्ष के साथ धोखेबाजी करने वालो पर कोई कार्रवाई नही कर रहे है। उनकी इस भूमिका से पक्ष में गुटबाजी का दौर कायम हो गया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अशोक गप्पू गुप्ता पर भी आरोप लगाया कि, पार्टी के निर्णय को दरकिनार कर अपनी मर्जी से अन्य पक्ष से मिलकर एपीएमसी में सत्ता हासिल कर कांग्रेस में गुटबाजी का परिचय दिया है।

आलोक मोहंती ने कहा, हम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे। अगर कार्रवाई नहीं होती है तो सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देंगे। पत्र परिषद के दौरान कॉंग्रेस किसान सेल के जिलाध्यक्ष जितेश राणे, एपीएमसी संचालक अरुण गजभिये, राजिव ठकरेले, तालुका कॉंग्रेस कमेटी अध्यक्ष सूर्यप्रकाश भगत, गोरेगाँव तालुका कॉंग्रेस कमेटी अध्यक्ष डेमेंद्र रहांगडाले, कांग्रेस सहकार विभाग जिलाध्यक्ष आलोक मोहंती, डॉक्टर सेल जिलाध्यक्ष डॉ. विवेक मेंढे, कांग्रेस तालुका प्रभारी रंजीत गणवीर, जीवनलाल शरणागत, अजय रहांगडाले आदि की उपस्थिति रही।

गोंदिया में हुई रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

गोंदिया-स्थानीय यूनाइटेड हॉस्पिटल के निदेशक और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डा. अभिषेक भालोटिया ने शहर में दुनिया में सबसे उन्नत रोबोटिक सिस्टम के साथ रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी शुरू की है। गत दो माह में वे इस तरह की 25 सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुके हैं। 4 जून को आयोजित एक सम्मेलन में मुंबई के डा. तेजस उपासनी एवं नागपुर के डा. मुकेश लड्ढा की सहायता से 2 रोबोटिक लाइव सर्जरी की गई। इसे होटल ग्रैंडसीता में लाइव स्ट्रिम किया गया। इसमें आईएमए गोंदिया के 100 चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन गोंदिया आईएमए के अध्यक्ष डा. जितेंद्र गुप्ता, डा. सुधीर जोशी और डा. संजय चिटणवीस की उपस्थिति में किया गया। रोबोट असिस्टेड क्नी रिप्लेसमेंट पर जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने इस नवीनतम तकनीक के लाभ पर प्रकाश डाला। प्रमुख लाभ बेहतर सटीकता, तेज रिकवरी, कम दर्द और सर्जरी के बाद अधिक प्राकृतिक एहसास है। उसी प्रकार आईवीयूएस मशीन का उपयोग कर डा. दर्पण चौधरी द्वारा एक लाइव एनजिओप्लास्टी भी की गई।

बाला साहेब ठाकरे आपका क्लीनिक आम नागरिको के लिए लाभकारी-पूर्व मंत्री बडोले

सड़क अर्जुनी, कोयलारी, पुतली में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

बुलंद गोंदिया। राज्य सरकार ने गोंदिया जिले में बालासाहेब ठाकरे क्लिनिक शुरू किया है और प्रत्येक तहसील में एक क्लिनिक शुरू किया गया है. यह दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक निःशुल्क सेवाएं प्रदान करता है और गर्भवती माताओं की आउट पेशेंट सेवाएं, दवा, जांच, परामर्श, जांच और टीकाकरण प्रदान करता है। साथ ही, महीने के कुछ निश्चित दिनों में निःशुल्क नेत्र जांच, रक्त जांच, मानसिक स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। अब तक 2000 नागरिक इस सेवा का लाभ उठा चुके हैं। पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने इसका लाभ लेने की अपील की है। सड़क अर्जुनी, ग्राम पुतली, कोयलारी में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। लेखाशीर्ष 25-15 के तहत सांस्कृतिक भवन निर्माण, गणेश मंदिर क्षेत्र में पेवर ब्लॉक लगाने, जल निकासी की उचित निकासी के लिए नालियों का निर्माण, ग्राम पंचायत जन सुविधा अंतर्गत सीमेंट रोड निर्माण आदि पर 25 लाख रुपये की धनराशि का उपयोग किया जायेगा. इस दौरान पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर समस्याओं की जानकारी ली तथा केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य दिपाली मेश्राम, जीवन लांजे, ललित डोंगरवार, ग्राम पंचायत पुतली सरपंच राजेंद्र राउत, ग्राम पंचायत कोयलारी सरपंच रजनीकांत वलडे, उपसरपंच रविंद्र कापगते , राकेश मुंगमोड़े, तंटामुक्ती अध्यक्ष डॉ.खोब्रागडे, ग्रामपंचायत सदस्य लताबाई सलामे, लताबाई कापगते, अनिताताई खंडाते, प्रकाश पंधरे, .सर्वानंद मांढरे, मंगलाताई नंदेस्वर, रामकृष्ण कापगते, .रमेश राऊत, पुरणलाल शेंद्रे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

10वीं के बाद प्रथम वर्ष के लिए में प्रवेश प्रारंभ न्यू इमर्जिंग टेक्नोलॉजी कोर्स लॉन्च किया गया-छात्र सहायता के लिए 328 केंद्र

बुलंद गोंदिया। 10वीं के बाद के इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्स में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के प्रथम वर्ष के लिए प्रवेश 1 जून से प्रारंभ हो गया है। औद्योगिक क्षेत्र में आवश्यक जरूरतों और भविष्य के अवसरों के मद्देनजर इस वर्ष 9 सरकारी और 30 गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में 2 हजार 460 की प्रवेश क्षमता वाले नए उभरते प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इच्छुक छात्रों से अनुरोध है कि वे वेबसाइटhttps://dte.maharashtra.gov.in पर आवेदन पत्र भरें।

सरकारी तकनीकी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों का औसत प्रतिशत 97 प्रतिशत है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए 375 संस्थानों की कुल प्रवेश क्षमता लगभग 1 लाख है। तकनीकी शिक्षा निदेशालय छात्रों को गुणवत्ता, कैरियर और रोजगारोन्मुख तकनीकी शिक्षा प्रदान करने और डिग्री पाठ्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता है।

10वीं डिग्री के बाद प्रथम वर्ष में छात्रों की सुविधा के लिए 10वीं के परिणाम घोषित होने से पहले प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन पत्र भरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, दस्तावेजों की स्कैन प्रतियों को अपलोड करना, दस्तावेजों का सत्यापन और आवेदन का निर्धारण 1 जून 2023 से शुरू किया गया है। केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तीन दौर आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष ऑनलाइन केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है। छात्र केवल अपने 10वीं बारहवीं सीट संख्या का उल्लेख करके अपना आवेदन पत्र भर सकते हैं और पुष्टि कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर सिस्टम के माध्यम से आवेदन में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का उल्लेख किया जाएगा।

दस्तावेजों की भौतिक जांच की प्रक्रिया के अलावा तकनीकी शिक्षा निदेशालय द्वारा ई-संवीक्षा की अवधारणा को लागू किया जाएगा। सभी सुविधाओं पर छात्रों की हर संभव मदद की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया वेबसाइट पर छात्र द्वारा पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से छात्रों को आवेदन पत्र भरने से लेकर संस्थानों में प्रवेश लेने तक हर चरण में सूचित किया जाएगा। जिन अभ्यर्थियों को काफफेरी के दौरान सीट आवंटित होती है, उनके लिए दस्तावेज सत्यापन और सीट स्वीकृति के लिए एआरसी में जाने की शर्त में इस साल भी ढील दी गई है.

सीट अलॉटमेंट के बाद कैप राउंड के दौरान दिया गया सीट अलॉटमेंट नियमानुसार है या नहीं, यह कैंडिडेट्स लॉगिन के जरिए ही वेरिफाई कर सकेंगे और उसी के हिसाब से कैंडिडेट्स को अपने लॉगइन से सीट एक्सेप्टेंस प्रोसेस पूरा करने की सुविधा दी जाएगी। औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक जरूरतों और भविष्य के अवसरों को ध्यान में रखते हुए 9 सरकारी और 30 गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में 2460 नए उभरते प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और बिग डेटा, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शामिल हैं।

सहायता के लिए प्रदेश में 328 सुविधा केन्द्रों की स्थापना- राज्य में तकनीकी शिक्षा निदेशालय द्वारा 10वीं के बाद प्रथम वर्ष तथा इंजीनियरिंग डिग्री के सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश एवं प्रवेश फार्म भरने के लिए विद्यार्थियों की सुविधा हेतु 328 सुविधा केन्द्र स्थापित किये गये हैं। कम्प्यूटरीकृत प्रणाली पर प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में छात्रों को परामर्श, सहायता प्रदान की जाती है। सुविधा केंद्रों पर आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मोबाइल नंबर वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। यदि सुविधा केन्द्रों के साथ-साथ संस्थानों को प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी चाहिए या कोई समस्या आती है तो उसका समाधान नोडल अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

छात्रों की जानकारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया के चरण अर्थात रजिस्ट्रेशन, आवेदन फिक्सिंग, स्क्रूटनी का तरीका चुनने, आपत्तियां उठाने, विकल्प फॉर्म भरने आदि महत्वपूर्ण चरणों के वीडियो वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जायेंगे. इसके साथ ही इस वेबसाइट पर स्नातक प्रवेश प्रक्रिया की संक्षिप्त जानकारी, स्नातक तकनीकी शिक्षा के बारे में छात्रों को जानकारी देने वाले विभागवार वृत्तचित्र भी इस वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू व गुटखा का जखीरा जप्त मामला दर्ज लोकल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू व गुटखा की बिक्री अवैध रूप से की जा रही है। जिस पर लगाम लगाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत गोंदिया शहर के सिंधी कॉलोनी रावण मैदान निवासी सागर गोपलानी के निवास पर छापामार कार्रवाई कर 1लाख 50हजार का प्रतिबंधित वस्तुओं का जखीरा जप्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकल क्राइम ब्रांच को सूत्रों से गुप्त जानकारी प्राप्त हुई कि सिंधी कॉलोनी परिसर में सागर गोपलानी नामक व्यक्ति ने बिक्री के लिए प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू गुटखा बड़े पैमाने पर अपने घर में स्टाफ कर रखा है। जानकारी की पुष्टि होने पर पुलिस दल द्वारा रावण मैदान स्थित सागर बिसमलाल गोपलानी उम्र 23 वर्ष के घर पर पहुंचे जहां वह घर पर ही उपस्थित था घर की जांच किए जाने पर विभिन्न प्रतिबंधित तंबाकू व पान मसाला पाया गया जिसमेंपान मसाला, पान पराग, आर.एम.डी, जर्दा, रजनीगंधा, पान बहार, विमल गुटखा, राजश्री, धमाल, गोल्ड तंबाखू , इस प्रकार विविध तंबाखू, गुटखे के 596 पैकेट (73 किलो 665 ग्राम) वजनी, जिसकी किंमत करीब 1 लाख 42 हजार 405 रुपये का माल बरामद हुआ। प्रतिबंधित सुगंधीत तंबाखू व गुटखा जमा कर रखने पर सागर गोपलानी के विरुद्ध आगे की कार्रवाई हेतु आयुक्त, अन्न व औषधी प्रशासन, विभाग भंडारा को कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया। इस मामले में फिर्यादी महेश प्रभाकर चहादे, उम्र 43 वर्ष, अन्न सुरक्षा अधिकारी अन्न व औषध प्रशासन भंडारा की शिकायत पर प्रतिबंधित सुगंधीत तंबाखू, गुटखा जमा रखने पर गोंदिया शहर थाने में धारा 188, 272, 273, 328 भादवि सहकलम 26(2)(आय), 26(2)(आय.व्हि) सहवाचन कलम 27(3)(आय), (ई) कलम 3 (1) (झेड झेड) (व्हि) 59 अन्न सुरक्षा व मानदे कायदा 2006 अन्वये अपराध दर्ज किया गया।

उक्त कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार स्थानिक अपराध शाखा के पो.नि. दिनेश लबडे, के मार्गदर्शन में स.पो.नि. शिंदे, पो.उप.नि. विघ्ने, सहा.फौ.अर्जून कावळे, पो.हवा.राजेंद्र मिश्रा, भुवनलाल देशमुख, नेवालाल भेलावे, इंद्रजित बीसेन, विठ्ठल ठाकरे, सोमेंद्र तुरकर, सुजित हलमारे, मपोशी तोंडरे, येरणे, चापोशि गौतम ने की।

विश्व पर्यावरण दिवस लिए मिशन लाइफ प्रतिज्ञा

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित धोटे बंधु विज्ञान महाविद्यालय और वन विभाग गोंदिया ने संयुक्त रूप से 5 जून को साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया । यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ अंजन नायडू के मार्गदर्शन में लिया गया। मंच पर वन विभाग गोंदिया के ए सी एफ प्रदीप पाटिल , राजेन्द्र सदगिर , प्राचार्या डॉ अंजन नायडू , तिमांडे सर, डा मनोज पटले सर, आरएफओ भालेकर मैडम, निसर्ग मंडल के सचिव मुकुंद धुर्वे सर उपस्थित थे। केन्द्र शासन द्वारा निर्देशित पर्यावरण प्रतिज्ञा लेकर कार्यक्रम की शुरुवात हुई। महाविद्यालय के शिक्षक वर्ग, वन कर्मचारी वर्ग, विद्यार्थी एवं गण मान्य लोगो ने प्रतिज्ञा ली तत्पश्चात प्रदीप पाटिल व राजेन्द्र सदगीर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर विद्यार्थियों को जैवविविधता पार्क की सैर कराई और महत्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ घोषाल ने किया एवम आभार प्रदर्शन आरएफओ आकांक्षा भालेकर ने किया। यह कार्यक्रम वन विभाग अंतर्गत जैवविविधता पार्क कुडवा मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफलतार्थ वन विभाग कर्मचारियों, एवम महाविद्यालय के शिक्षक मोरे सर, खेडीकर सर, गौतम मैडम, पारधी मैडम,ने अथक परिश्राम किया।

पुलिस मुख्यालय में हुई कैंसर जनजागरण कार्यशाला

गोंदिया-जिला पुलिस विभाग के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिवार के लिए रिलायंस हॉस्पिटल कैंसर केअर की ओर से शुक्रवार 2 जून को पुलिस मुख्यालय के प्रेरणा सभागृह में पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले के मार्गदर्शन में कैंसर जनजागृती स्वास्थ्य संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में रिलायंस हास्पिटल कैंसर केअर के प्रमुख वक्ता सलाहकार रेडिएशन, ऑन्कोलॉजिस्ट डा.सौरभ मेश्राम, एरिया मैनेजर राकेश हत्तीमारे उपस्थित थे। डा. मेश्राम ने कैंसर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। तंबाकू गुटखा, सिगरेट सेवन करने पर मुख कैंसर, फेफड़े का कैंसर आदि कैंसर रोग होते हैं। महिलाओं में बड़े पैमाने पर स्तन कैंसर में वृद्धि हो रही है। इस समय पुलिस निरीक्षक नंदिनी चानपुरकर ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति को व्यसन से कैंसर रोग हो जाए तो उनके परिवार को कितनी परेशानी झेलनी पड़ती है यह कल्पना हम नहीं कर सकते। कार्यशाला में लगभग 120 से 125 की संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, उनका परिवार एवं गृह रक्षक दल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पुलिस हवलदार राज वैद्य ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आरक्षित पुलिस निरीक्षक उमेश चाकाटे, सहायक फौजदार रोशन उइके, पुलिस हवलदार राजेश पटले, राजू डोंगरे, पुलिस मुख्यालय के कर्मचारियों ने सहयोग किया।

धान खरीदी का लक्ष्य दे बढ़ाकर सांसद सुनील मेंढे ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर की मांग

बुलंद गोंदिया। गोंदिया-भंडारा जिला धान उत्पादक जिले के रूप में जाना जाता है जिले की मुख्य फसल धान है जिससे रबी मौसम में किसानों से धान खरीदी का लक्ष्य 49 लाख कुंटल दिया गया है। जबकिखरीदी 65लाख कुंटल का अनुमान है। जिससे किसानों से धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ाने की मांग सांसद सुनील मेंडे द्वारा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर की है। जिस पर मंत्री ने सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि गोंदिया- भंडारा जिला जिले की मुख्य फसल धान है जिसमें खरीफ और रबी के मौसम में किसानों द्वारा लाखों कुंटल धान का उत्पादन किया जाता है। इस वर्ष रबी मौसम में भंडारा व गोंदिया जिले में 65 लाख कुंटल धान खरीदी होने का अनुमान है। जबकि महाराष्ट्र को इस वर्ष 49 लाख कुंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है। जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो इस विषय को लेकर सांसद सुनील मेंढे द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री पीयूष गोयल से दिल्ली में मुलाकात कर धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ाने की मांग की जिस पर मंत्री द्वारा इस पर सकारात्मक आश्वासन देकर मांग को पूरी करने का निर्देश दिया है। साथ ही इस अवसर पर धान उपार्जन केंद्र के संदर्भ में विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई अब तक केंद्र संचालकों को31.25 पैसे प्रति क्विंटल कमीशन दिया जा रहा था जिसे घटाकर 20.40 पैसे कर दिया गया है। जिससे केंद्र संचालकों में भी नाराजगी निर्माण हो रही है। मंत्री पीयूष गोयल द्वारा यह मामला संसद में के संज्ञान में भी लाया गया है वर्तमान में धान खरीदी 1 फ़ीसदी कटौती पर विचार किया जा रहा था अभी यह कटौती आधा फ़ीसदी प्रतिशत कम की गई है।, गोंदिया भंडारा जिले में धान के नुकसान का प्रतिशत एकसे अधिक है क्योंकि उत्पादन अधिक है जिसके चलते कम से कम 1न घट को रखा जाए ऐसे विभिन्न विषयों को संसद द्वारा मंत्री के समक्ष रखा गया है इन सभी विषयों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन इस अवसर पर मंत्री महोदय ने सांसद सुनील मेंढे को दिया।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बना आमगांव- पाऊलदौना का मार्ग चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट, मार्ग में हुए गड्ढे प्रतिदिन हो रही दुर्घटना

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता आमगांव) - प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माण होने वाले मार्ग पहले उत्कृष्ट दर्जे के होते थे जिसकी सराहना संपूर्ण महाराष्ट्र में गोंदिया जिले की होती थी किंतु अब अधिकारियों के भ्रष्टाचार के चलते मार्ग का निर्माण घटिया स्तर का हो रहा है। इसी के तहत आमगांव से पाऊलदौना की ओर जाने वाला मार्ग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माण किया गया था किंतु कम समय में ही मार्ग की घटिया स्थिति सामने आ चुकी है तथा बड़े-बड़े गड्ढे निर्माण होने के साथ ही प्रतिदिन दुर्घटना घटित हो रही है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के मार्गों का निर्माण उत्कृष्ट तरीके से किया जाता था। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिको को मुख्यालय स्थान पर आवागमन करने हेतु काफी आसानी होती थी, किंतु अब गोंदिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण होने वाले प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के मार्गों का निर्माण घटिया स्तर का हो रहा है।

जिससे इसकी पोल आये दिन खुल रही है एक समय में गोंदिया जिला राज्य में इस योजना में प्रथम क्रमांक पर था किंतु अब अधिकारियों की भ्रष्टाचार नीति के चलते मार्गो का निर्माण घटिया स्तर का हो रहा है। औरअब सिर्फ अधिकारियों की नजर क्वालिटी पर कम कमीशन पर अधिक टिकी हुई है। इसी प्रकार का एक मामला आमगांव तहसील में सामने आया है जिसमें आमगांव रेलवे स्टेशन रोड तपन गैस एजेंसी के सामने से तकरीबन 5 किलोमीटर का मार्ग पाऊलदौना जाता है। इस मार्ग से कुम्हारटोली चौकव्हाया तिगांव, बघेडा मांडोदेवी एवं तुमसर, तेढा, चोपा,आदि ग्रामों को जोड़ता है। साथ ही शिव मंदिर, लक्ष्मणराव मानकर कॉलेज, जिला परिषद जूनियर कॉलेज, महादेव पहाड़ी, वेयरहाउस आदि महत्वपूर्ण स्थानों के लिए भी आवागमन होता है, किंतु उपरोक्त मार्ग का घटिया निर्माण किए जाने के चलते कुछ ही माह में मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे निर्माण हो गए व मार्ग की गिट्टी निकल गयी है। जिससे दुपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं साथ ही कुछ दिनों पूर्व ही निर्माण किया गया मार्ग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाना वह निर्माण की अवधि में मार्ग का मेंटेनेंस नहीं होना यह अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर संदेह निर्माण कर रहा है। उपरोक्त निर्माण कार्य की विभागीय जांच करने की मांग परिसर के नागरिकों द्वारा जनप्रतिनिधि व संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से की है। देखना है कि दोषी कांट्रेक्टर व संबंधित अधिकारियों पर क्या कार्यवाही होंगी।

पत्नी की आत्महत्या के बाद पति ने भी ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या

बुलंद गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम सौंदड़ निवासी दिगंबर श्रावण भुसारी उम्र 24 वर्ष नामक युवक द्वारा ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली विशेष यह कि 2 दिनों पूर्व उसकी पत्नी ने भी ट्रेन के सामने छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी वह दोनों ने 5 माह पूर्व ही प्रेम विवाह किया था । प्राप्त जानकारी के अनुसार सौंदड निवासी डिकेश्वरी दिगंबर भुसारी उम्र 19 वर्ष द्वारा बुधवार 31 मई को गोंदिया चांदापोर्ट रेलवे के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके पीछे पीछे उसके पति दिगंबर श्रावण भुसारी उम्र 24 वर्ष द्वारा शुक्रवार 2 जून की दोपहर सौंदड रेलवे स्टेशन के समीप रेल की पटरी पर कूदकर आत्महत्या कर ली। उल्लेखनीय है कि दंपत्ति द्वारा 5 माह पूर्व ही प्रेम विवाह किया था दोनों ने आत्महत्या किस कारणों से की समाचार लिखे जाने तक पता नहीं हो पाया था। इस दुर्घटना की जानकारी रेलवे विभाग के कर्मचारियों द्वारा डुग्गीपार पुलिस थाने को दिए गई जिसके पश्चात ग्रामीण चिकित्सालय सड़क अर्जुनी में मृतक दिगंबर भुसारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर उपरोक्त मामले की जांच पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुड़े के मार्गदर्शन में पुलिस हवलदार आनंद दामले, पुलिस नायक संजय चकोले, पुलिस सिपाही महेश धुर्वे द्वारा की जा रही है।

हर माह की 7 तारीख को मनाया जाएगा अन्न दिवस

गोंदिया-महाराष्ट्र राज्य के लिए अब हर माह की 7 तारीख अन्न दिवस के रूप में मनाए जाने के शासन द्वारा निर्देश दिए गए है। इस दिन अवकाश का दिन होने के बावजूद भी अन्न दिवस मनाया जाएगा। इस निर्देश के अनुसार गोरेगांव तहसील में 7 जून को यह दिन खाद्य एवं नागरी आपूर्ति विभाग की ओर से अन्न दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस आयोजन में अधिक कार्यक्षमता एवं पारदर्शिता लाने के लिए हर माह की 7 तारीख को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सभी राशन दुकानें सुबह 9 से रात 8 बजे तक खुली रखने के निर्देश शासन ने दिए है। गोरेगांव तहसील के सभी पात्र लाभार्थी 7 जून 2023 को अन्न दिवस के दिन अधिक से अधिक संख्या में निर्धारित समय पर राशन दुकानों में जाकर अनाज लें यह आह्वान गोरेगांव के निरीक्षण अधिकारी अमित डोंगरे ने किया है।

सुने मकान में सेंध लगाकर ले उडे आभुषण और नगदी

गोंदिया- गोंदिया शहर पुलिस थानांतर्गत सावराटोली सुभाष वार्ड गोंदिया निवासी फरियादी अपने परिवार के साथ विवाह समारोह के लिए बाहर गांव गया हुआ था। इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने उसके घर के सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया एवं आलमारी में रखा लैपटॉप तथा सोने-चांदी के आभूषण मिलाकर कुल 40 हजार रुपए का माल चुरा ले गया। यह घटना 27 मई से 2 जून के दौरान घटित हुई। फरियादी सुनील विक्रम मेश्राम (52) की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक पारधी कर रहे हैं।

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना एक माह में 2014 लोगो में लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

बुलंद गोंदिया। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की घनी आबादी वाले नगरीय क्षेत्रों एवं बस्तियों से दूरी, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अनुपयुक्त कार्य घंटों के कारण कुछ बस्तियाँ एवं झुग्गी-झोपड़ियों जैसे क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। साथ ही राज्य में अस्पतालों को नवीनतम तकनीक से स्मार्ट बनाना, निरंतर, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना, विभिन्न बीमारियों के प्रसार की निगरानी और नियंत्रण करना, और आसान और सस्ती विश्व स्तरीय प्रदान करके पूरे समाज के स्वास्थ्य सूचकांक को बढ़ाना हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दावाखाना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के आम लोगों, गरीब, गरीब, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले नागरिकों और राज्य सरकार के जरूरतमंद रोगियों को सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कुल मिलाकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर गोंदिया जिले के शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक तहसील में हिन्दू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना 1 मई 2023 को इन क्लीनिकों को नागरिकों की सेवा के लिए समर्पित किया गया। हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना में दोपहर 2.00 बजे से रात 10.00 बजे तक आउट पेशेंट सेवा का समय है, जिससे गरीब लोगों के लिए अपना सारा काम पूरा करना और अपनी बीमारियों की मुफ्त जांच और इलाज कराना आसान हो जाता है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी नितिन कापसे के अनुसार 2014 लोगो ने क्लीनिक पर जाकर लक्षणों के अनुसार आउट पेशेंट सेवाओं का लाभ उठाया और 855 अलग-अलग प्रयोगशाला परीक्षण किए गए।

हिंदूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे अप्पा दवाखानामें स्वास्थ्य सेवाएं निम्नानुसार प्रदान की जाती हैं।

1) बाह्य रोगी सेवाएं (समय दोपहर 2.00 बजे से रात 10.00 बजे तक), 2) मुफ्त दवा, 3) निःशुल्क निरीक्षण, 4) टेली परामर्श, 5) गर्भवती माताओं की परीक्षा, 6) टीकाकरण, साथ ही इस केंद्र में उपरोक्त सेवाओं के अतिरिक्त निम्नलिखित सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं।,1) महीने में एक निश्चित दिन पर आंखों की जांच, 2) बाहरी प्रणाली (एचएल-एल कंपनी के माध्यम से) के माध्यम से रक्त परीक्षण की सुविधा।, 3) मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श सेवाएं, 4) आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ रेफरल सेवाएं, हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे अप्पा दवाखाना केंद्र विशेष विशेषज्ञों के माध्यम से नागरिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से रोगियों को निम्नलिखित विशेषज्ञ रेफरल सेवाएं प्रदान कर रहा है।

1)भिषक (चिकित्सक), 2) स्त्री रोग विशेषज्ञ और प्रसूति रोग विशेषज्ञ,3) बाल रोग विशेषज्ञ, 4) नेत्र रोग विशेषज्ञ, 5) त्वचा विशेषज्ञ, 6) मनोचिकित्सक, 7) नाक कान गला विशेषज्ञ, उक्त विशेषज्ञ सेवाएं सायं 5.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक उपलब्ध कराई जा रही हैं। ताकि काम से लौटने के बाद झुग्गी-झोपड़ी और खेतिहर मजदूर इस सेवा का लाभ उठा सकें। हिंदूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपा दवाखाना केंद्र में चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, बहुउद्देश्यीय कर्मचारी, परिचारक / गार्ड और सफाई कर्मचारी ई.

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना जिले में स्थान

1) गोंदिया शहर - हमारा क्लिनिक छोटा गोंदिया, गोंदिया, 2) तिरोडा शहर हमारा क्लिनिक भीमनगर, तिरोडा ।, 3) गोरेगांव - हमारा क्लिनिक मेन रोड, गोकुल होटल के पास, गोरेगांव।, 4) आमगाँव - हमारा क्लिनिक कामगार चौक, वार्ड नंबर 2, लांजी रोड, आमगाँव।, 5) देवरी -हमारा क्लिनिक चिचगड़ रोड, देवरी।, 6) सालेकसा -हमारा क्लिनिक वन कार्यालय के पास, सालेकसा ।, 7) सड़क अर्जुनी- हमारा क्लिनिक कथाने हाउस, प्लॉट नंबर 2, सड़क अर्जुनी। 8) अर्जुनी मोरगांव- हमारा क्लिनिक मोरगांव वार्ड नंबर 5, हनुमान मंदिर के पास, अर्जुनी मोरगांव। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारीडॉ. दिनेश सुतार ने जिले के नागरिकों से अपील की कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना में शुरू किए गए क्लिनिक में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

नवेगाववबांध में धान खरीदी केंद्र शुरू

नवेगांवबांध -दी. लक्ष्मी सहकारी राईस मिल संस्था अर्जुनी मोरगांव की ओर से शनिवार 3 जून को नवेगांवबांध कृषि उत्पन्न बाजार समिति के गोदाम में धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ अध्यक्ष भोजराम रहिले के हस्ते किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य किशोर तरोणे, संस्था संचालक शालिकराम हातझाडे, संस्था सचिव कृष्णा खोटेले, एच.जे. शहारे, रामदास बोरकर एवं किसान उपस्थित थे।

वर्षो से घरकुल की प्रतिक्षा आस लगाए बैठी है सुब्रता टेकाम-जिर्ण घर में रहने के लिए मजबूर महिला

खातिया। गोंदिया तहसील अंतर्गत आनेवाले ग्राम टेमनी मे अनेक जरुरत मंद लाभार्थियों को आज तक घरकुल योजना का लाभ नहीं मिला है जिससे अनेक गरीब परिवारों को वर्षो से जीर्ण शीर्ण मकानों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

शासन की नागरिकों के लिए घरकुल की शबरी रमाई प्रधानमंत्री आवास योजना सुरू रहने के बावजूद भी अनेक नागरिक इस योजना से वंचित है। वास्तव में जिन गरीब लोगों को घरकुल की आवश्यकता है और घरकुल मिलना चाहिए ऐसे गरीब लोगों को अब तक लाभ नहीं मिल पाया है इसका उदाहरण ग्राम टेमनी मे देखा जा सकता है। ग्राम टेमनी की सुब्रता टेकाम यह बुजुर्ग महिला वर्षो से अपने जीर्ण मकान मे रह रही है और शासन की घरकुल योजना का लाभ मिले इस आस में बरसों से इंतजार रही है, परंतु घरकुल योजना से यह महिला अब तक वंचित है ऐसे में शासन द्वारा इस महिला को घरकुल योजना का लाभ दिया जाना चाहिए इस संदर्भ में ग्राम टेमनी के ग्राम पंचायत सदस्य संदीप बानेवार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हे घरकुल योजना की अत्यंत आवश्यकता होते हुए भी अब तक उन्हें घर को नहीं मिल पाया है ऐसे में शासन-प्रशासन ध्यान देकर जरुरत मंद गरीब लाभार्थियों को घरकुल का शीघ्र अति शीघ्र योजना के तहत लाभ दिया जाना चाहिए ऐसी मांग की है।

हरिहर भाई पटेल हायस्कूल खातिया का शुयश

संवाददाता खातिया गोंदिया। गोंदिया तहसील अंतर्गत ग्राम खातिया की महीला जागृति शिक्षण संस्था तिरोड़ा बाघोली द्वारा संचालीत हरिहर भाई पटेल हायस्कूल खातिया मे 10 वी बोर्ड परिक्षा मे विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत व उससे उपर गुण प्राप्त कर अपने स्कूल का नाम व शिक्षक एवं अपने माता-पिता गौरव बढ़ाया है। इसमे हायस्कुल के प्रथम क्रमांक पर पल्लवी लिल्हारे 87.60 प्रतीशत , द्वितीय क्रमांक पर समीर तावाडे ने 85.60 प्रतिशत, विवेक कावरे 85.40 प्रतिशत, त्रिवेणी मुन्डेले 84.40 प्रतिशत, अंकुश नंगेले 84 प्रतिशत ,रामकली ढेकवार 83.80 प्रतिशत,मयुर फुंडे 80.40, प्रशान्त भाजीपाले 80.20 प्रतिशत, गुण प्राप्त कर हायस्कूल का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर महिला जागृति शिक्षण संस्थातिरोड़ा /बाघोली द्वारा संचालीत हरिहर भाई पटेल हायस्कूल खातिया के संस्थापक राधेलाल पटले, मुख्याध्यापक हेमंतकुमार आर.पटले,शिक्षक जी.एस.रहांगडाले,पी.एस.बघेले,आर.के.गौतम,एम.ए.गौतम,एस.वी.उरकुडे,टी.डी.बिसेन,पि.पि.जांभुडकर ,ए.यु.राठौर,वाय.बी.मिश्रा सह ग्राम खातिया के सरपंच ललित अर्जुन तावाडे, ग्राम मोगर्रा के उपसंरपच दिलीप मुंडेले, ग्राम बिरसी (एयरपोर्ट) के उपसंरपच उमेशसिंह पंडेले आदि ने विद्यार्थियो का अभिनंदन किया है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।